

भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति  
तारीख: 30 जून, 2026  
जारी करने का समय: 1410 घंटे

विषय: (i) आज, 30 जून 2026 को दक्षिण-पश्चिम मॉनसून मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्सों, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के बाकी हिस्सों, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, उत्तराखंड के ज्यादातर हिस्सों और हिमाचल प्रदेश व लद्दाख के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है।

(ii) 3 जुलाई 2026 के आसपास उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप, इस सप्ताह देश के मध्य भागों में मॉनसून के सक्रिय रहने की संभावना है।

(iii) 2 से 4 जुलाई के दौरान कोंकण में; 2 और 3 तारीख को मध्य महाराष्ट्र के घाट इलाकों में और 3 व 4 जुलाई 2026 को दक्षिण गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

**दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 2026 का आगे बढ़ना (अनुबंध I):**

- ❖ आज, 30 जून 2026 को दक्षिण-पश्चिम मॉनसून मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्सों, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के बाकी हिस्सों, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, उत्तराखंड के ज्यादातर हिस्सों और हिमाचल प्रदेश व लद्दाख के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है।
- ❖ 30 जून तक मॉनसून की उत्तरी सीमा 20°N/60°E, 20°N/65°E, 20°N/70°E, सूरत, इंदौर, सागर, सीधी, आजमगढ़, अयोध्या, बरेली, देहरादून, मंडी, 33.5°N/76.8°E और 35°N/80°E से होकर गुजरती है।
- ❖ अगले 2-3 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के उत्तर अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पूरे दमन और दीव, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख के बाकी हिस्सों, पूरे जम्मू और कश्मीर, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब के ज्यादातर हिस्सों और राजस्थान के कुछ हिस्सों में और आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हैं।

**आज, 30 जून 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों के दौरान हुआ मौसम:**

- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, ओडिशा और तटीय कर्नाटक में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, असम और मेघालय, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गुजरात क्षेत्र और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश और बिहार में कुछ जगहों पर 60-80 किमी/घंटा की रफ्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान की संभावना है। वहीं उत्तराखंड, हरियाणा, मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र, सौराष्ट्र और कच्छ, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में कुछ जगहों पर 40-60 किमी/घंटा की रफ्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान आ सकता है।

**पिछले 24 घंटों के दौरान (आज सुबह 08:30 बजे IST तक) तापमान की स्थिति:**

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (29-06-2026 को): कल, पंजाब को छोड़कर उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों के कई हिस्सों में दिन/अधिकतम तापमान 40-44°C के बीच रहा, जबकि देश के बाकी हिस्सों में यह 40°C से कम रहा। सबसे ज़्यादा अधिकतम तापमान 45.5°C श्रीगंगानगर (राजस्थान) में दर्ज किया गया।
- ❖ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (29-06-2026 को): कल, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और ओडिशा में कुछ जगहों पर तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा (> 5.1°C) रहा; दिल्ली में कई जगहों पर; पूर्वी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर; पूर्वी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब और गुजरात क्षेत्र में कुछ जगहों पर तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहा। सौराष्ट्र और कच्छ, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और राजस्थान में कुछ जगहों पर तापमान सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा। केरल और माहे तथा उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर तापमान सामान्य से काफी कम (-5.0°C से -3.1°C) रहा; लक्षद्वीप, बिहार, असम और मेघालय में कुछ जगहों पर तापमान सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C) रहा।
- ❖ रात का तापमान/न्यूनतम तापमान (30-06-2026 तक): जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, सौराष्ट्र और कच्छ, हरियाणा-चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी राजस्थान में सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C); हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C); और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब/सामान्य से कम।

### मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध II और III):

- ❖ मौसमी ट्रफ़ (trough) पंजाब से उत्तरी बंगाल की खाड़ी तक फैली हुई है।
- ❖ निचले और मध्य क्षोभमंडल (tropospheric) स्तरों में दक्षिणी बांग्लादेश से सटे उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण (cyclonic circulation) मौजूद है, जो उंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है। इसके प्रभाव से, 3 जुलाई, 2026 के आसपास उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और आसपास के इलाकों में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तर में पूर्वी बिहार और आसपास के इलाकों में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ महाराष्ट्र से उत्तरी केरल तक एक ऑफ-शोर ट्रफ़ फैली हुई है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडल स्तर में दक्षिण-मध्य मध्य प्रदेश से पूर्वी-मध्य अरब सागर तक एक ट्रफ़ फैली हुई है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तर में उत्तर-पूर्वी असम और आसपास के इलाकों में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडल स्तर में लगभग 86°E देशांतर के साथ 25°N अक्षांश के उत्तर में एक ट्रफ़ मौजूद है।
- ❖ 2 जुलाई, 2026 से उत्तर-पश्चिम भारत पर एक नए पश्चिमी विक्षोभ का असर पड़ने की संभावना है।

### ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

#### उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 30 जून को हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 जून से 1 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब में; 30 जून और 4 से 6 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 3 से 5 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 30 जून से 6 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 से 6 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; और 30 जून से 6 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 से 6 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब में; 1 से 3 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 30 जून से 2 जुलाई और 6 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 जून से 6 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 30 जून से 2 जुलाई और 6 जुलाई को हिमाचल प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों

के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है; साथ ही 30 जून से 1 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में तेज़ हवाओं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।

- ❖ 1 से 6 जुलाई के दौरान हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और पंजाब में; 30 जून से 3 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 30 जून से 2 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 3 से 6 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है। 30 जून से 1 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में, और 30 जून से 2 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं) चलने की संभावना है।
- ❖ 2 से 6 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में; 4 से 6 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 3 से 6 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 2 से 4 जुलाई और 6 जुलाई को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और पंजाब में; 1 जुलाई और 5-6 जुलाई को हिमाचल प्रदेश में; 30 जून और 3-6 जुलाई को उत्तराखंड में; 1-3 जुलाई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 2-3 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 1-2 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 2-6 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। साथ ही, 2-4 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 1-2 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में; 30 जून-1 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 30 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।
- ❖ 3-5 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश में; और 2-6 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में तेज़ आंधी (हवा की रफ्तार 50-60 किमी/घंटा, जो 70 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 2-6 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

#### मध्य भारत:

- ❖ 30 जून से 6 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में काफी बड़े इलाके में या पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 जून से 4 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 30 जून-1 जुलाई और 5-6 जुलाई के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 30 जून तथा 4-6 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। विदर्भ में 30 जून और 4 जुलाई को; छत्तीसगढ़ में 30 जून और 2-6 जुलाई के दौरान; साथ ही पश्चिमी मध्य प्रदेश में 2-4 जुलाई के दौरान, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में 1-3 जुलाई के दौरान और छत्तीसगढ़ में 1 जुलाई को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- ❖ 30 जून और 1 जुलाई को मध्यम से तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि।

#### पूर्वी भारत:

- ❖ 30 जून-6 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, ओडिशा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 30 जून-5 जुलाई के दौरान झारखंड में; और 30 जून-1 जुलाई के दौरान बिहार में काफी व्यापक से व्यापक बारिश की संभावना है।
- ❖ 6 जुलाई को झारखंड में और 2-6 जुलाई के दौरान बिहार में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश की संभावना है।
- ❖ 30 जून-6 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और झारखंड में; 30 जून-1 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 30 जून-2 जुलाई और 5-6 जुलाई के दौरान बिहार में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंके 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है; साथ ही 30 जून-6 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 2-6 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; और 3-4 जुलाई के दौरान बिहार में तेज़ हवाओं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंके 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ 1 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 30 जून-1 जुलाई और 4 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 30 जून-1 जुलाई को झारखंड में; और 2-4 जुलाई के दौरान बिहार में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है; साथ ही 30 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 5-6 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले

पश्चिम बंगाल में; और 30 जून-1 जुलाई के दौरान बिहार में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है। 30 जून से 6 जुलाई के दौरान ओडिशा।

#### पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 30 जून से 3 जुलाई के बीच; असम और मेघालय में 30 जून से 2 जुलाई के बीच; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 जून से 6 जुलाई के बीच काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 4 से 6 जुलाई के बीच; असम और मेघालय में 3 से 6 जुलाई के बीच कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 30 जून से 2 जुलाई के बीच; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 जून से 4 जुलाई के बीच कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 30 जून से 3 जुलाई के बीच; असम और मेघालय में 1 से 2 जुलाई के बीच; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 जून से 4 जुलाई के बीच कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 30 जून को असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

#### पश्चिम भारत:

- ❖ कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में 30 जून से 6 जुलाई के बीच; मराठवाड़ा में 2 से 3 जुलाई के बीच; गुजरात क्षेत्र में 3 से 6 जुलाई के बीच; सौराष्ट्र और कच्छ में 5 से 6 जुलाई के बीच काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ मराठवाड़ा में 30 जून से 1 जुलाई और 4 से 6 जुलाई के बीच; गुजरात क्षेत्र में 30 जून से 2 जुलाई के बीच; सौराष्ट्र और कच्छ में 30 जून से 4 जुलाई के बीच कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र में 30 जून से 3 जुलाई के बीच; गुजरात क्षेत्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र और कच्छ में 30 जून से 4 जुलाई के बीच कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ कोंकण और गोवा में 2 से 4 जुलाई के बीच; मध्य महाराष्ट्र में 30 जून से 6 जुलाई के बीच; मराठवाड़ा में 2 से 3 जुलाई के बीच; गुजरात क्षेत्र में 1 जुलाई और 3 से 4 जुलाई के बीच कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। सौराष्ट्र और कच्छ में 30 जून, 2-3 जुलाई और 6 जुलाई को; कोंकण और गोवा में भी 30 जून-1 जुलाई और 5-6 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है; गुजरात क्षेत्र में 30 जून, 2 जुलाई और 5-6 जुलाई को; सौराष्ट्र और कच्छ में 4-5 जुलाई के दौरान।
- ❖ कोंकण और गोवा में 2-4 जुलाई के दौरान कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश की संभावना है; मध्य महाराष्ट्र के घाट इलाकों में 2 और 3 जुलाई को और मध्य महाराष्ट्र में 4-6 जुलाई के दौरान।

#### दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 30 जून-6 जुलाई के दौरान; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 2-6 जुलाई के दौरान; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 3-6 जुलाई के दौरान; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 30 जून-3 जुलाई के दौरान; तेलंगाना में 30 जून और 4-6 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश की संभावना है।
- ❖ तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और लक्षद्वीप में 30 जून-6 जुलाई के दौरान; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 30 जून-1 जुलाई के दौरान; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 30 जून-2 जुलाई के दौरान; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 4-6 जुलाई के दौरान; तेलंगाना में 1-3 जुलाई के दौरान काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश की संभावना है।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 30 जून-4 जुलाई के दौरान; केरल और माहे और लक्षद्वीप में 30 जून-2 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाओं (40-50 किमी/घंटा की गति, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) की संभावना है। 30 जून को उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक में; 30 जून से 6 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में तेज़ हवाएं (रफ़्तार 30-40 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; 1 से 4 जुलाई के दौरान उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक में; 30 जून से 4 जुलाई के दौरान तेलंगाना में।

- ❖ 3 से 4 जुलाई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 2 से 6 जुलाई के दौरान केरल और माहे तथा दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; 3 से 6 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में; 30 जून से 4 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक में; 30 जून से 2 जुलाई के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 30 जून से 1 जुलाई के दौरान केरल और माहे तथा दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; 30 जून से 2 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 30 जून से 6 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; 30 जून से 4 जुलाई के दौरान रायलसीमा में; 2 से 4 जुलाई के दौरान तेलंगाना में जोरदार सतही हवाएं चलने की संभावना है।

#### अधिकतम/दिन के तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत में 30 जून तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है; 1 से 3 जुलाई के दौरान तापमान में धीरे-धीरे 2-3°C की बढ़ोतरी होगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 6 जुलाई, 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है।

#### लू (हीट वेव), गर्म और उमस भरे मौसम तथा गर्म रात (वार्म नाइट) की चेतावनी:

- ❖ 2 से 4 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति रहने की संभावना है।

#### मछुआरों के लिए चेतावनी:

#### मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

- ❖ अरब सागर: 30 जून को दक्षिण गुजरात तट के पास और उससे दूर; गुजरात, कोंकण, गोवा और कर्नाटक तट के पास और उससे दूर तथा उससे सटे पूर्वी-मध्य और उत्तर-पूर्वी अरब सागर में; 30 जून से 3 जुलाई के दौरान केरल तट के पास और उससे दूर तथा लक्षद्वीप क्षेत्र में; 30 जून से 5 जुलाई के दौरान सोमालिया तट के पास और उससे दूर तथा दक्षिण-पश्चिम, मध्य और उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 1 से 3 जुलाई के दौरान ओमान तट के पास और उससे दूर तथा 1 से 4 जुलाई के दौरान मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 5 जुलाई तक मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण श्रीलंका तट, दक्षिण और मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों, दक्षिण म्यांमार तट और उससे सटे उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों तथा अंडमान सागर में; 3 से 5 जुलाई के दौरान ओडिशा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में; 5 जुलाई को उत्तरी आंध्र प्रदेश तट पर।

#### दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 30 जून से 03 जुलाई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

#### अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

[https://mausam.imd.gov.in/responsive/all\\_india\\_forecast\\_bulletin.php](https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php)

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

**महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):**

- ❖ असम और मेघालय: आरकेएम सोहरा 11
- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल: कोंताई 12
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: जलपाईगुड़ी 15
- ❖ ओडिशा: बारीपदा 14
- ❖ झारखंड: बहरागोइरा 7
- ❖ बिहार: मुज़फ़्फ़रनगर 10
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बहेड़ी 16
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: निघासन 10
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: मुंगोली 13
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: गढ़ाकोटा 16
- ❖ विदर्भ: सर्वाधिक वर्षा: बुलढाणा के लोनार में 76 मिमी
- ❖ छत्तीसगढ़: कुसुमी 85 एमएम, एमसीबी 71 एमएम
- ❖ कोंकण और गोवा: गुहागर (रत्नागिरी) - 169 मिमी
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: गगनबावड़ा (कोल्हापुर) - 92 मिमी
- ❖ मराठावाड़ा: अंबाद (जालना) - 79 मिमी
- ❖ गुजरात क्षेत्र: मांगरोल (सूरत)-68 मिमी
- ❖ तटीय कर्नाटक: सिद्दापुरा (जिला उडुपी) 12, कारवार ऑब्सी (जिला उत्तरकन्नड़) 12, गेर्सोप्पा (जिला उत्तर कन्नड़) 12, अंकोला (जिला उत्तर कन्नड़) 11, गोकर्ण (जिला उत्तर कन्नड़) 11, सिद्धपुरा (जिला उडुपी) 12, कारवार ऑब्सी (जिला उत्तर कन्नड़) 12, गेर्सोप्पा (जिला उत्तर कन्नड़) 12, अंकोला (जिला उत्तर कन्नड़) 11, गोकर्ण (जिला उत्तर कन्नड़) 11,
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: कोट्टीगेहारा (जिला चिक्कमगलुरु) 7, थलागुप्पा (जिला शिवमोगगा) 7।

**तेज़ हवाएँ (>=40 किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):**

- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: जी.बी. नगर (एडब्ल्यूएस) 80, बुलंदशहर (एडब्ल्यूएस) 63, हमीरपुर (एडब्ल्यूएस) 59, आगरा (आईएएफ) 46, बरेली (एडब्ल्यूएस) 46
- ❖ बिहार: पूसा 63
- ❖ हरियाणा: हिसार 44, भिवनी 56
- ❖ ओडिशा: कटक 56
- ❖ उत्तराखंड: पंतनगर 44, रानीचौरी 41
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: अशोकनगर 43
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सागर 41, रीवा 41, सतना 41
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: बारामती (पुणे) 52, राजगुरुनगर (पुणे) 44
- ❖ मराठावाड़ा: वैजनाथ (बीड) 46, बदनापुर (जालना) 35
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: भावनगर 50
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम 45
- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल: कल्याणी 44; झाड़ग्राम 41
- ❖ झारखंड:दुमका 41।

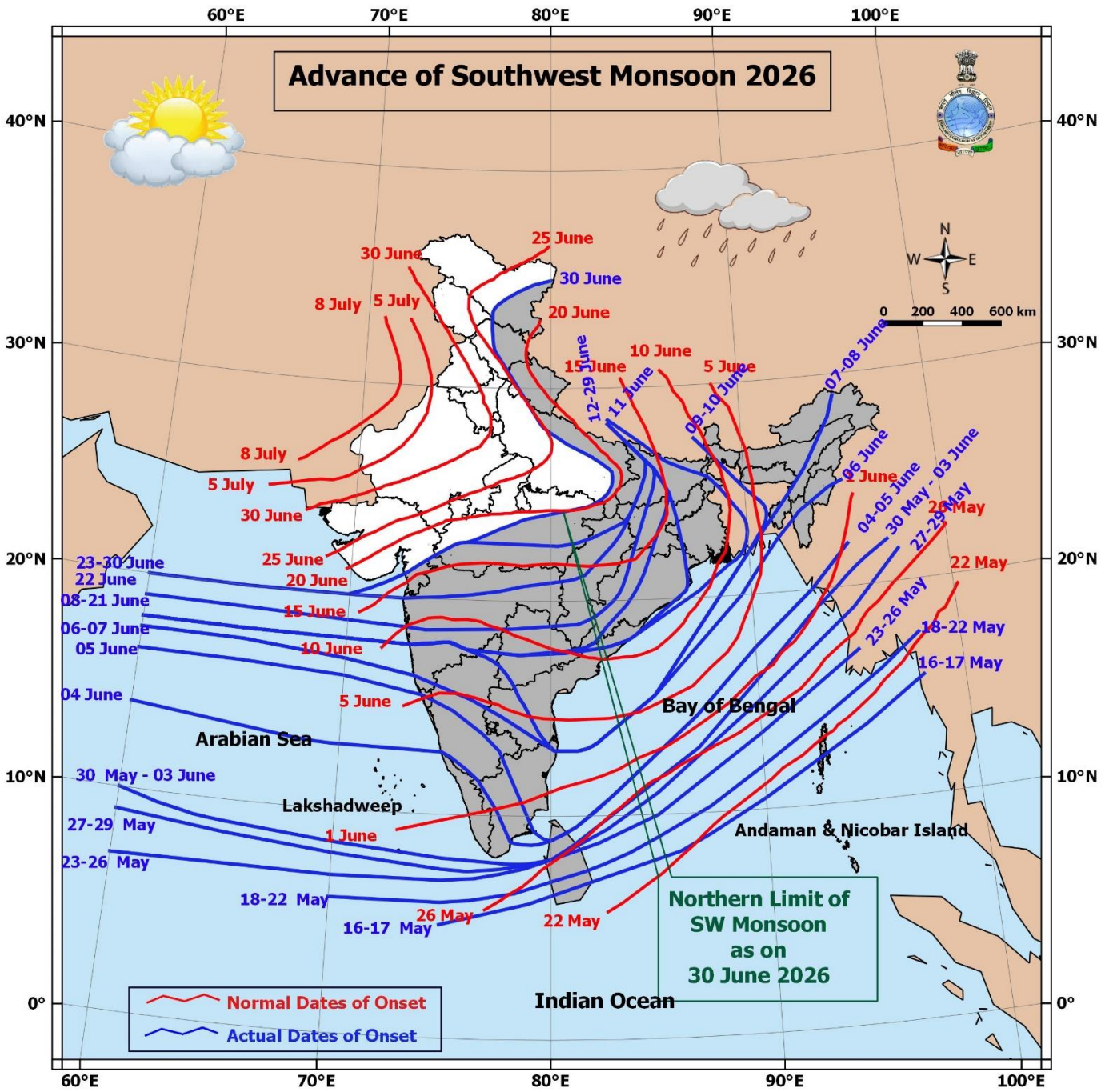
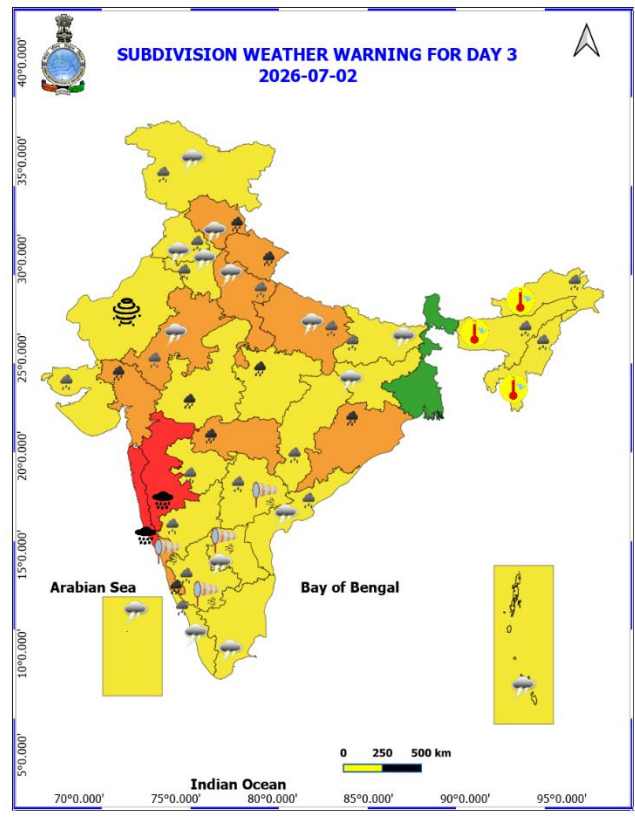
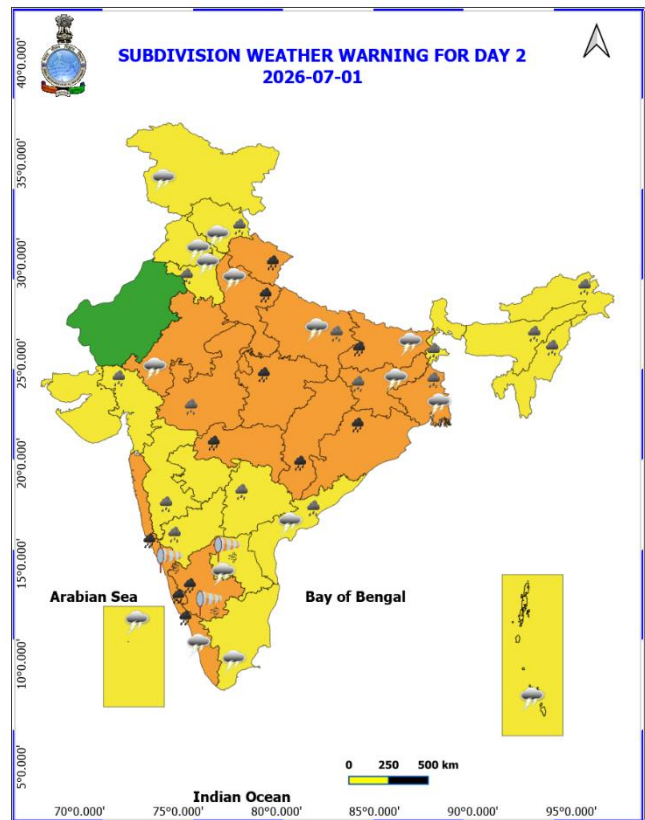
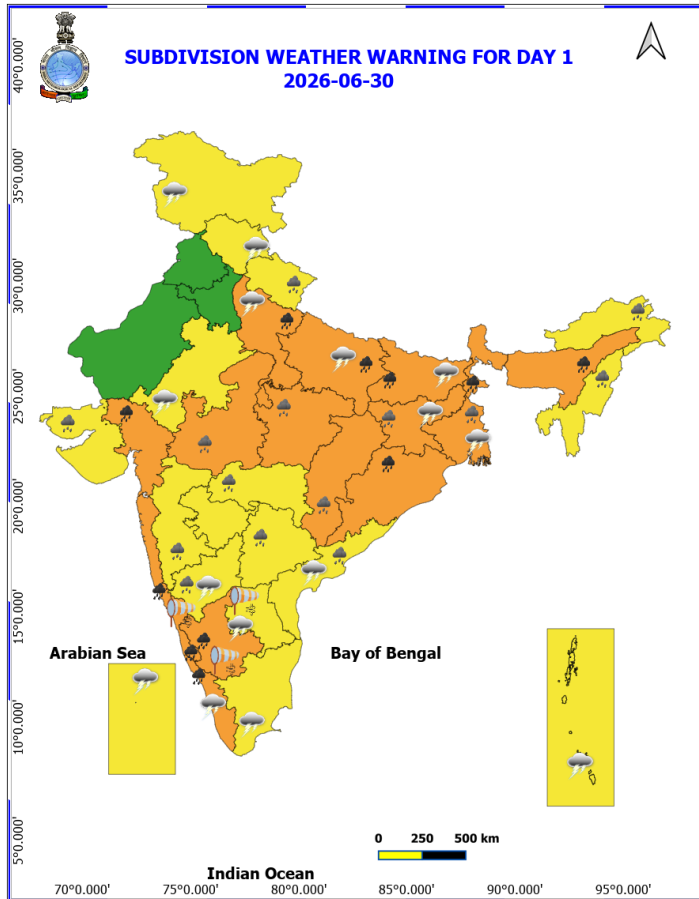
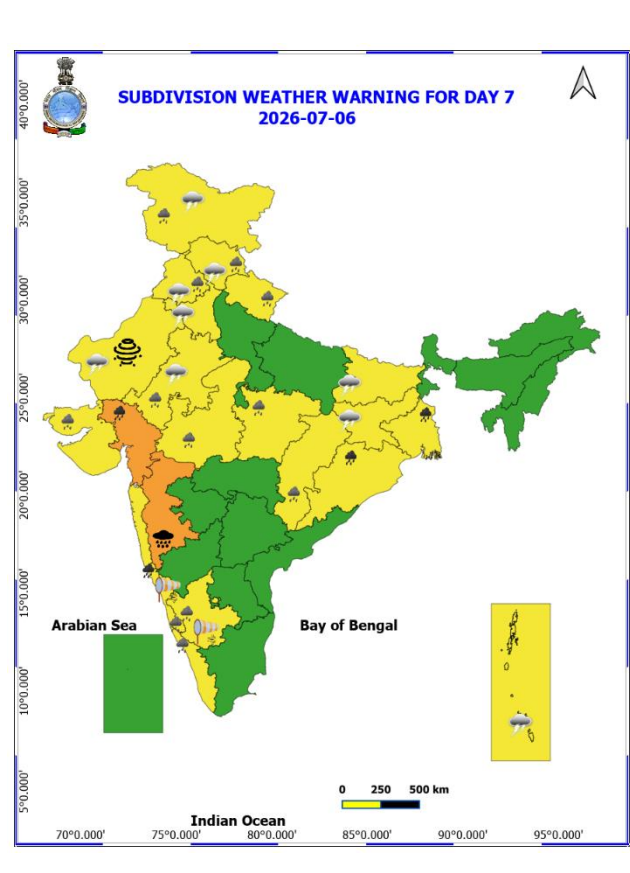
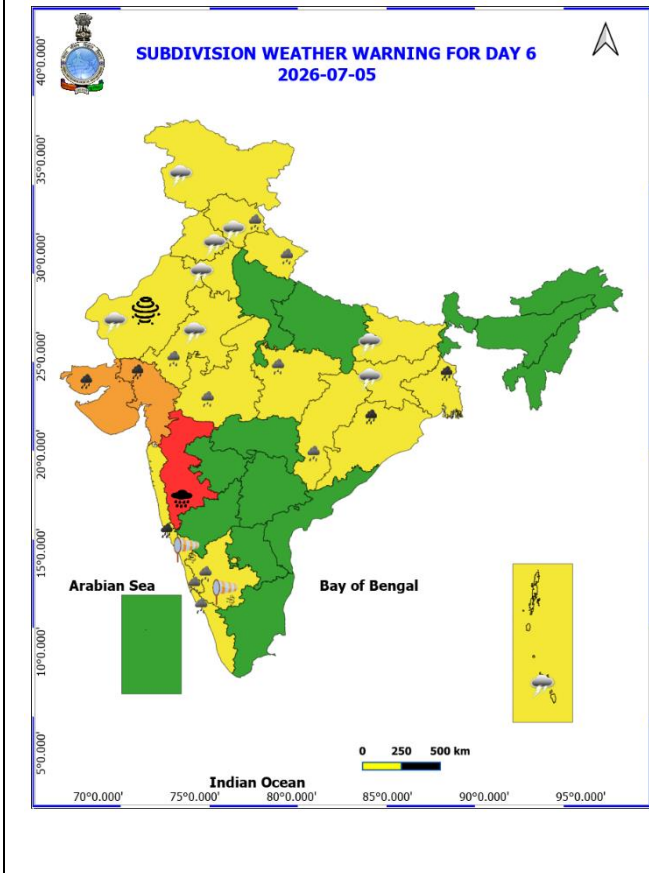
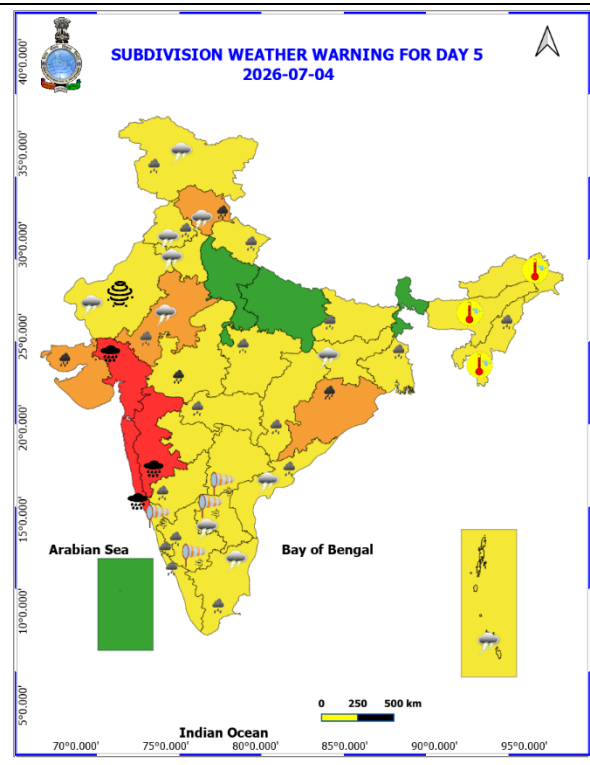
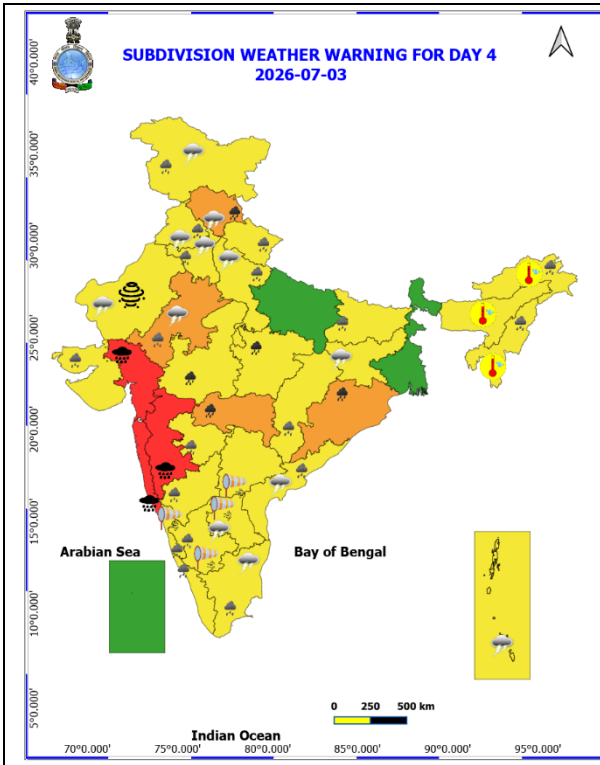


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	30- Jun	1- Jul	2- Jul	3- Jul	4- Jul	5- Jul	6- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
7	ODISHA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT
9	BIHAR	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
14	PUNJAB	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	FWS	WS	WS	FWS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
25	MARATHWADA	SCT	SCT	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
26	VIDARBHA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
29	TELANGANA	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

**30 जून से 03 जुलाई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान**

पिछले 24 घंटों का मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, जबकि न्यूनतम तापमान में 1°C की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 42-43°C और न्यूनतम तापमान 29-31°C के बीच दर्ज किया गया। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से बहुत अधिक (5.1°C या उससे ज्यादा), कई जगहों पर काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहा और ज़मीन पर हवा की गति 20 किमी/घंटा रही, जो पश्चिम दिशा से 52 किमी/घंटा तक के झोंकों के साथ चली। इस दौरान दिल्ली में कुछ जगहों पर बहुत हल्की बारिश हुई। आज सुबह के समय इस इलाके में पश्चिम दिशा से 25 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने और आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

30.06.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ-साथ आंधी/बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा (जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) की तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 38-40°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है और हवा की गति 25 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 22 किमी/घंटा तक रह सकती है।

01.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश/तूफान/बिजली/तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36°C से 38°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और कई जगहों पर सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा; वहीं अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 22 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 22 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

02.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश के साथ तूफान/बिजली/तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं) चलने की संभावना है। शाम/रात के समय एक और दौर में बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ तूफान/बिजली/तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

03.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और 30-40 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की तेज़ सतही हवाएं चल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी

गति 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ आंधी के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

धूल उड़ाने वाली ज़मीनी हवाओं के साथ आंधी, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।

- संभावित असर: पेड़ों की टहनियां टूटना और बड़े पेड़ों का उखड़ना, सूखे पेड़ों की टहनियां गिरना, नुकसान...

#### सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

#### बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं के साथ कहीं-कहीं आंधी-तूफान की संभावना और उससे जुड़े सुझाव

- ❖ 3 से 5 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश और 2 से 6 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में तेज़ हवाओं के साथ तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं, बड़े पेड़ उखड़ सकते हैं। पेड़ों से बड़ी सूखी टहनियां गिर सकती हैं। खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को थोड़ा या ज़्यादा नुकसान हो सकता है।
- ❖ टहनियां टूटने से बिजली और संचार लाइनों को थोड़ा या ज़्यादा नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा/ओलावृष्टि से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवाओं से कमजोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।

#### सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और हो सके तो यात्रा न करें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें।
- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न खड़े हों।
- ❖ बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- ❖ तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएं।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।

#### भारी/बहुत भारी/अत्यधिक बारिश के कारण संभावित असर और सुझाव

- ❖ 02 से 04 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है; 02 और 03 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र के घाट इलाकों में और 04 से 06 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में, तथा 3 और 4 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में भी ऐसी ही बारिश हो सकती है।

#### संभावित असर

- ❖ मुख्य रूप से शहरी इलाकों में सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और अंडरपास बंद होने की स्थिति।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में यातायात बाधित हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ कमज़ोर ढांचों को नुकसान होने की संभावना है। □ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ का बहाव/ज़मीन धंसने जैसी घटनाएं।
- ❖ पानी भरने के कारण कुछ इलाकों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ कुछ नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में नदी में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ के बारे में जानकारी के लिए CWC का वेब पेज देखें)।

#### सुझाए गए उपाय

- ❖ अपनी मंज़िल के लिए निकलने से पहले रास्ते में ट्रैफिक जाम की स्थिति देख लें।
- ❖ इस संबंध में जारी ट्रैफिक सलाहों का पालन करें।
- ❖ अक्सर जल-जमाव (पानी भरने) की समस्या वाले इलाकों में जाने से बचें।
- ❖ कमज़ोर या असुरक्षित इमारतों में रहने से बचें।

#### भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, भारी बारिश के दौरान धान की नर्सरी बुवाई न करें; जो धान की नर्सरी पहले ही बोई जा चुकी है, उसे पुआल की मल्लिचंग, सूखी घास या अस्थायी पॉलीथीन / एगो-नेट से ढककर सुरक्षित रखें ताकि बीज बहने, अंकुरण खराब होने और पौधों के नुकसान से बचा जा सके। जूट, अदरक, मिर्च, टमाटर और डल्ले खोरसानी के खेतों तथा खरीफ धान, रागी एवं सब्जियों की नर्सरी से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **ओडिशा** में, मक्का, मोटे अनाज और दलहन फसलों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें।
- **बिहार** में, मूंग की पकी हुई फलियों की कटाई करें और कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान की नर्सरी और मक्के के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **मध्य प्रदेश** में, परिपक्व मूंग, सब्जियों और फलों की कटाई करें और फसल को सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान और सब्जियों की नर्सरी में जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें।
- **कोंकण और मध्य महाराष्ट्र** के घाट क्षेत्रों में, धान, रागी एवं सब्जियों की नर्सरियों में अतिरिक्त जल निकासी का उचित प्रबंध करें।
- **केरल** में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें और सब्जियों के पंजालों को मजबूत करें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें।
- **तटीय कर्नाटक** में, धान की पौधशालाओं तथा फलों के बागानों में पानी जमा होने से रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, मक्का, रागी और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **उत्तराखंड** में, धान, टमाटर, मिर्च, सनवा और रागी के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- **उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग और उड़द की परिपक्व फसलों की कटाई और मड़ाई का कार्य पूर्ण कर लें तथा उपज को सूखी जगह पर रखें।

- **अरुणाचल प्रदेश** में, जलजमाव से बचाव हेतु सब्जियों, मक्का, धान की नर्सरी और खड़ी फसलों के खेतों में जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। फसल के नुकसान से बचने के लिए परिपक्व सब्जियों और फलों की कटाई कर लें।
- **असम** में, धान की नर्सरी, जूट, अदरक, हल्दी, सब्जियों, केले, खट्टे फलों और पपीते के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। भारी बारिश के दौरान साली धान की नर्सरी बुवाई तथा और जूट, मक्का एवं सब्जियों की बुवाई न करें। बीज बोई हुई जगह को प्राकृतिक मल्लिचिंग सामग्री जैसे पुआल, खेत के अवशेष आदि से ढक दें। गन्ने की फसल को गिरने से बचाने के लिए उसे यांत्रिक सहारा प्रदान करें।
- **मेघालय** में, धान की नर्सरी, मक्का, अदरक, लोबिया और सब्जियों के खेतों तथा केले के बागानों से अतिरिक्त जल निकासी के लिए आवश्यक प्रबंध करें। छोटे पौधों को भारी बारिश से सीधे संपर्क में आने से बचाएं। अधिक भार से झुके हुए पौधों को सहारा देने के लिए प्रॉपिंग (बांस या लकड़ी के डंडों) का उपयोग करें।
- **मणिपुर** में, खरीफ-पूर्व धान की कटाई करें और उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें। सोयाबीन, मिर्च, अदरक, हल्दी, केला और अन्य फसलों के खेतों के साथ-साथ हाल ही में लगाई गई पौध और नर्सरी की फसलों में जलजमाव से बचाव हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **त्रिपुरा** में, भारी बारिश के दौरान धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।

#### **तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श**

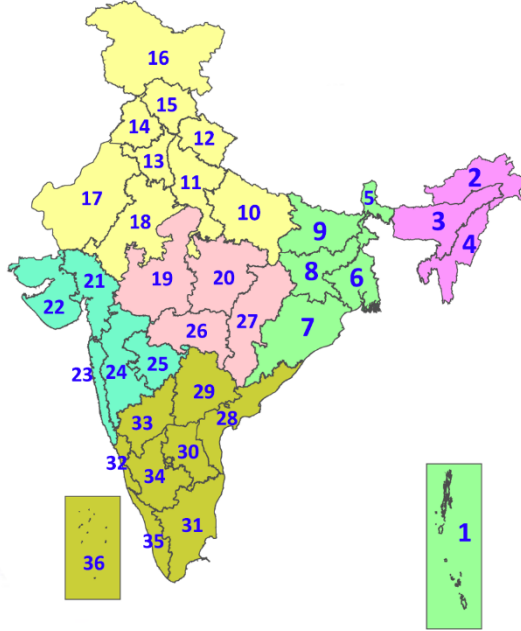
- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

#### **पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन**

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

## LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

### COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

### Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

## DEFINITION/CRITERIA

### Rain/ Snow \*

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm \*  
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm\*  
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm \*

### Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches  $\geq 40^\circ\text{C}$  for plains and  $\geq 30^\circ\text{C}$  for hilly regions  
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal  $4.5^\circ\text{C}$  to  $6.4^\circ\text{C}$ .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal  $\geq 6.5^\circ\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature  $\geq 45^\circ\text{C}$ .

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature  $\geq 47^\circ\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is  $> 4.5^\circ\text{C}$  from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature  $\geq 37^\circ\text{C}$

### Warm Night

When maximum temperature remains  $40^\circ\text{C}$

Warm Night: When minimum temperature departure  $4.5^\circ\text{C}$  to  $6.4^\circ\text{C}$ .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure  $> 6.4^\circ\text{C}$ .

### Cold Wave

When minimum temperature of a station  $\leq 10^\circ\text{C}$  for plains and  $\leq 0^\circ\text{C}$  for hilly regions.  
(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal  $-4.5^\circ\text{C}$  to  $-6.4^\circ\text{C}$ .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^\circ\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is  $\leq 4.0^\circ\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is  $\leq 2.0^\circ\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is  $\leq -4.5^\circ\text{C}$  & actual Minimum Temperature is  $\leq 15^\circ\text{C}$

### Cold Day

When minimum temperature of a station  $\leq 10^\circ\text{C}$  for plains and  $\leq 0^\circ\text{C}$  for hilly regions  
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal  $-4.5^\circ\text{C}$  to  $-6.4^\circ\text{C}$ .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^\circ\text{C}$

### Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility  $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility  $< 50$  metres

### Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

### Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

### Frost

Ice deposits on ground

Air temperature  $\leq 4^\circ\text{C}$  ( over Plains)

### Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed  $> 87$  kmph

### Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph ( 34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed  $> 117$  kmph ( $> 63$  knots) & Wave height  $> 14$  metre

### Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed  $> 220$  kmph ( $> 119$  knots)

\* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".  
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.  
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599  
(Service to the Nation since 1875)